CMYK

www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY/169/2015-2017

प्रखर...मुखर...स्वर

विदर्भ की बात SUNDAY

● वर्ष 17 ● अंक 167 नागपुर, रविवार, 14 मई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

जम्मू कश्मीर: लश्कर मॉड्यूल पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई, हथियार समेत 7 गिरफ्तार

जम्मू

शनिवार को जम्मू-कश्मीर में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली, जब पुलिस के जवानों ने लश्कर-ए-तैयबा माड्यूल के 5 आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया। ये आतंकी संगठन चिनाब घाटी में लश्कर ए तैयबा के आतंक को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे थे।

इस अभियान में एसपीओ, कुछ पूर्व सैन्य कर्मियों और क्षेत्रीय दल की मदद से सात आतंकियों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं।

जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आइजीपी) एसडीएस जमवाल ने संवाददाताओं को बताया कि 8 मई को डोडा में पुलिस पद पर हमले के बाद एक विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन हुआ था। जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी थी और एक अन्य घायल हो गया था। आइजीपी ने बताया, खुफिया जानकारी पर आधारित एसआइटी ने कुछ संदिग्धों को उठाया और बाद में टंटा के निवासी अब्दुल रशीद हरगो उर्फ अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया।

रशीद 2001 और 2008 के बीच लश्कर का सक्रिय सदस्य रहा था और बाद में आत्मसमर्पण कर दिया था। वह फिर से 2013 में गिरफ्तार किया गया था और 2016 में जमानत पर रिहा किया गया था।

आइजीपी ने बताया कि उन आतंकियों से पूछताछ के दौरान चार अन्य लोगों के नाम सामने आए। बशीर अहमद, जो पहले प्रादेशिक सेना का हिस्सा था, उनके भतीजे और एसपीओ अल्ताफ अहमद, के अलावा शफकत हुसैन और हाफिज का नाम सामने आया। इन सभी आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। इनके पास से एक एके -47 राइफल व भारी मात्रा में गोला बारूद और तीन पत्रिकाएं बरामद की गयीं हैं।

सुप्रभात

मुंबई से अचानक लापता हुए 26 पाक नागरिक, सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूले

मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से पाकिस्तान के 26 नागरिकों के लापता होने की खबर है। ये पाकिस्तानी नागरिक पिछले दो-तीन हफ्तों से लापता हैं।

लापता लोगों में से एक शख्स पिछले 10 साल से जूहु में रह रहा था। ये इस इलाके में दुकान चला रहा था। पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने के बाद मुंबई पुलिस हाई अलर्ट पर है। पुलिस ने बताया कि भारत में आने वाले पाकिस्तानियों के लिए जरूरी सी-फॉर्म में इन सभी ने उन लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी थी जिनसे वो मिलने आए थे और जहां वो ठहरे थे। इस बात का पता तब चला जब जांच एजेंसियों ने सी-फॉर्म में दी गई जानकारी के मुताबिक इनका पता लगाने की कोशिश की। बता दें, सी-फॉर्म में पाकिस्तानी नागरिकों को रुकने की अवधि, पासपोर्ट की कॉपी, वीजा और रेजिडेंशल परमिट की जानकारी भी देने होती है। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ता इन पाकिस्तानियों को तलाशी कर रहा है। खुफिया एजेंसियों से ये जानकारी एटीएस को मिली थी।

एटीएस की टीम दिन-रात इनकी तलाशी में जुटी है। राज्य के सभी होटलों और लॉज में इन्हें तलाशा जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडियन मुजाहिद्दीन ने बीते महीने मुंबई की रेकी भी की थी।

माल्या के प्रत्यर्पण पर सुनवाई अब 13 जून को

लंदन

भारतीय शराब कारोबारी विजय माल्या के ब्रिटेन से भारत प्रत्यर्पण पर सुनवाई की तारीख अब 13 जून तक टल गई है।

ब्रिटेन की शाही अभियोजन सेवा (सीपीएस) के अनुसार पहले यह सुनवाई 17 मई को होनी थी। भारतीय अदालत की ओर से भगोड़ा घोषित माल्या के प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई लंदन स्थित वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। माल्या के प्रत्यर्पण के लिए भारतीय प्रशासन की ओर से जिरह सीपीएस की करेगा।

सीपीएस के एक प्रवक्ता ने बताया कि केस प्रबंधन सुनवाई के तौर पर अगली सुनवाई 13 जून को होगी। इस सिलसिले में सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का चार सदस्यीय संयुक्त दल इस माह की शुरुआत में ही लंदन आ चुका है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनका मकसद 61 वर्षीय माल्या के खिलाफ मजबूत केस बनाना है। ब्रिटेन के साथ इन बैठकों से इस मामले को सुलझाने में मदद मिलेगी। सीपीएस इस मामले में माल्या के खिलाफ जो पैरवी करेगा वह सीबीआइ और ईडी से मिले दस्तावेजों के आधार पर होगी। उल्लेखनीय है कि किंगफिशर एयरलाइंस के मालिक माल्या ने विभिन्न भारतीय बैंकों से 9000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज लेकर चुकाया नहीं है।

मैं खुद संभालूंगा उत्तरप्रदेश की कानून व्यवस्था - योगी

लखनऊ

उत्तरप्रदेश की खराब कानून व्यवस्था से परेशान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लिया है। योगी ने अब उत्तरप्रदेश की कानून व्यवस्था को खुद संभालने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अब किसी भी तरह का कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। हर हाल में प्रदेश की कानून व्यवस्था को पटरी पर लाया जाएगा।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंतित हैं योगी

यह सारी बातें सीएम योगी ने गोरखपुर में कहीं हैं। वे शनिवार को गोरखपुर दौरे पर थे। गोरखपुर में उन्होंने साफ-साफ कहा कि कानून व्यवस्था के मसले पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और जो लोग कानून हाथ में लेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सहारनपुर और संभल की घटनाओं ने किया परेशान

सहारनपुर और संभल में हुई वारदातों के बाद योगी सरकार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई थी, लेकिन अब योगी आदित्यनाथ ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने का जिम्मा खुद उठाने का फैसला किया है।

कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे

योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थोड़े बहुत कुछ लोग हैं जिनकी आदत अभी सुधरी नहीं है, उन्हें सुधारने के लिए काम किया जा रहा है लेकिन कानून को हाथ पर ले करके खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं है।

गवर्नर ने दी क्लीन चिट

गवर्नर राम नाईक ने क़ानून व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्षियों का हमला झेल रही योगी सरकार को न सिर्फ क्लीन चिट दी है, बल्कि यह भी कहा है कि खुद सीएम योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्री इस मामले में गंभीरता से पहल कर रहे हैं। उनके मुताबिक़ फिलहाल क़ानून व्यवस्था को लेकर यूपी में कोई समस्या नहीं है।

रिजिजू ने अटारी-वाघा सीमा पर फहराया 107 फीट ऊंचा तिरंगा

अटारी

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यहां अटारी-वाघा पर भारत-पाक सीमा के पास 107 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया। यहां समेकित जांच चौकी पर तिरंगा फहराने के बाद रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा कि वह सुरक्षा इंतजामों, जांच चौकी का जायजा लेने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों से मिलने के लिए यहां आए थे। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ आयात-निर्यात व्यापार में शामिल व्यवसायियों से भी बातचीत करेंगे और उनसे व्यापार संबंधित समस्याएं जानेंगे। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही पथराव की घटनाओं के बारे में सवाल पूछे जाने पर रिजिजू ने इसके लिए पाकिस्तान में बैठे कुछ तत्वोंको जिम्मेदार ठहराया जिन्होंने गड़बड़ी करने के लिए व्हाट्सएप समूह बनाए हैं। उन्होंने कहा, भारतीय खुफिया एजेंसियां करीब से इनकी निगरानी कर रही हैं और इस संबंध में जल्द ही जरूरी कार्रवाई करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने दो सैनिकों की हत्या एवं शव क्षत-विक्षत किए जाने को लेकर कहा कि सरकार सैनिकों के परिवारों की मदद करेगी।

विवाद के बाद शाही इमाम मौलाना बरकती ने भी हटाई कार से लाल बत्ती

कोलकाता

अपने बयानों के कारण विवादों में रहे पश्चिम बंगाल में टीपू सुल्तान मस्जिद के शाही इमाम मौलाना नूर उर रहमान बरकती ने अपनी गाड़ी से लाल बत्ती हटा ली है। हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए मुझ पर कोई दबाव नहीं था। बरकती ने कहा गाड़ी से लाल बत्ती हटाने के लिए मुझ पर कोई राजनीतिक दबाव नहीं था। कोई दल मुझ पर कैसे दबाव बना सकता है। मैं शाही इमाम हूं और कानून का पालन करूंगा। गौरतलब है कि इमाम ने दो दिन पहले ही अपनी कार से लाल बत्ती हटाने से साफ इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह लाल बत्ती लगाकर घूमेंगे क्योंकि ब्रिटिश सरकार की ओर से उन्हें इसकी परमिशन मिली हुई थी। वे यह किसी कीमत पर नहीं हटाएंगे।

गुजरात में दलितों को नहीं मिली उनकी जमीन, बैठे भूख हड़ताल पर

अहमदाबाद

ये बात तब की है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। साल 2010 में उन्होंने पाटदी तालुका के अंतर्गत आने वाले मोती मजेठी गांव के दलितों के पांच परिवारों को जमीन देने का वादा किया था। हालांकि इस जमीन का आवंटन हुआ, लेकिन सिर्फ कागजों तक। हाथ कुछ नहीं लगा। नरेंद्र मोदी ने इनमें से प्रत्येक परिवार को जमीन देने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

गांव वालों का कहना है कि उन्हें अभी तक जमीन का अधिकार नहीं मिला है और कमालपुर गांव के पास के पाटीदार समुदाय के लोग अपने आस-पास दलितों को रहने देना नहीं चाहते। इसके साथ पाटदी तालुका का प्रशासन इस मुद्दे पर समझौता करने की कोशिश भी नहीं कर रहा है। इस मामले को लेकर ये लोग कार्यालय के बाहर पिछले पांच दिनों से भूख हड़ताल पर हैं।

गांव के सरपंच चेला भरवाद ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2010 में दलितों को जमीन के कागज दे दिए थे। इस बात को 7 साल हो गए हैं। हाल ही में पता चला कि कमालपुर के पाटिदारों ने इस मामले पर ऐतराज जताया है क्योंकि जो जमीन दलितों को दी गई है वो उनकी जमीन के पास है और वहां पर एक शिव मंदिर भी है।

मामले को लेकर कुछ भाजपा नेताओं ने प्रशासन पर राजनीतिक दवाब भी बनाया, जिसकी वजह से दलितों को वो जमीन छोड़नी पड़ी।

एक दलित का कहना है कि उनको जमीन के कागज नरेंद्र मोदी ने दिए तो थे, लेकिन अब सरकारी अधिकारी कह रहे हैं कि कहीं और जाकर बस जाओ। पता नहीं कौन किस पर दवाब बना रहा है, लेकिन सात सालों से जमीन नहीं मिली है। वहीं, एक स्थानीय का कहना है कि पाटीदार समुदाय इस मामले के खिलाफ थे तो इसलिए जमीन अभी एलॉट ही नहीं की गई है।

इस मामले पर पाटदी तालुका के विकास अधिकारी पीएम मकवाना का कहना है कि ये सही बात है कि साल 2010 में नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण मेला में इन दलितों को जमीन के कागज दिए थे। बाद में पता चला कि इन दलितों को वो जमीन नहीं कोई दूसरी जमीन देनी है। इस वजह से भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है।

हार्दिक कर सकते हैं कांग्रेस का प्रचार, आरक्षण आंदोलन में नजर आई फूट

अहमदाबाद

गुजरात में भाजपा सरकार से नाराज पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल ने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस से पूछा है कि उनके सत्ता में आने पर पाटीदारों को क्या मिलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष सोलंकी ने भी लगे हाथ पाटीदारों की मांगों को लेकर सकारात्मक रुख जताया। आंदोलन समिति में कुछ नेताओं को लेकर फूट नजर आई लेकिन चर्चा है कि हार्दिक अगले चुनाव में कांग्रेस के समर्थन में प्रचार करेंगे।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति पास के संयोजक हार्दिक पटेल ने पत्ते खोलना शुरु कर दिया है, उन्होंने अपने खास दिनेश बामणिया, मनोज पनारा तथा वरुण पटेल को कांग्रेस अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी के पास भेजकर कुछ सवाल पूछे, जिसमें कांग्रेस के सत्ता में आने पर पाटीदारों को आरक्षण, आंदोलन के दौरान मारे गए 14 युवकों के परिजनों को मुआवजा व सरकारी नौकरी, पाटीदार आयोग की रचना तथा पाटीदारों के दमन के दोषी पुलिस कर्मियों को सजा दिलाना शामिल है। चर्चा है कि हार्दिक चुनावों के दौरान कांग्रेस के समर्थन में प्रचार करेंगे, लेकिन इस पर खुद हार्दिक ने खुलासा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार का विरोध कर रहे हैं, लेकिन किसी दल का समर्थन नहीं। कांग्रेस अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी ने पाटीदारों को लेकर सकारात्मक रुख जताते हुए कहा है कि वे इस मामले में नई दिल्ली जाकर आलाकमान व कांग्रेस प्रभारी अशोक गहलोत से मुलाकात के बाद घोषणा करेंगे। पास में तीन नेताओं को खास तवज्जो देने पर पास महिला विंग की प्रमुख रेशमा पटेल ने कहा है कि हार्दिक को पास की कोर कमेटी व राजनीतिक दलों से मिलने के लिए बनी 3 सदस्यों की टीम भंग कर देनी चाहिए। आंदोलन समाज का है, 3 नेताओं के बजाए नई कोर कमेटी ही किन्हीं नेता व राजनीतिक दलों से चर्चा करे।

रोहतक में दोहराई निर्भया जैसी दरिंदगी

रोहतक

हरियाणा में 23 साल की एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर उसकी बर्बर तरीके से हत्या कर दी गयी। रोहतक जिले में उसका क्षत-विक्षत शव पाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि लावारिस कुत्तों ने पीड़िता के चेहरे और शरीर के निचले हिस्से को नोंच लिया। 11 मई को रोहतक के एक शहरी इलाके में राहगीर ने शव देखा।

सोनीपत के पुलिस अधीक्षक अजय मलिक ने कहा, इस मामले में सुमित एवं विकास नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने कहा कि सुमित महिला का जानकार था। पुलिस ने बताया कि महिला तलाकशुदा थी और गत नौ मई को सोनीपत से कथित रूप से उसका अपहरण करने के बाद उसे कार से रोहतक ले जाया गया।

पीड़िता के घरवालों ने सोनीपत पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। मलिक ने कहा कि महिला के साथ पहले बलात्कार किया गया और फिर उसपर ईंट से हमला किया गया और पत्थर पर सिर मार दिया गया। पीड़िता के सिर पर गंभीर चोटें लगीं। मामला की गहराई से जांच की जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हरियाणा के रोहतक में एक महिला से सामूहिक बलात्कार के बाद जघन्य हत्या को लेकर निराशा व्यक्त की और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बयान जारी कर कहा, बर्बर और दिल को दहला देने वाली घटना ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है जो हमें महिला सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान देने की जरूरत दर्शाता है। पीड़ित के परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए सोनिया ने उम्मीद जताई कि हरियाणा सरकार अपराध के षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी और परिवार को आवश्यक सहयोग देगी। पुलिस ने बताया कि 23 वर्षीय एक महिला से सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी जघन्य हत्या कर दी गई और उसका क्षत-विक्षत शव रोहतक जिले में पाया गया।

केरल में संघ कार्यकर्ता की हत्या, भाजपा ने की कन्नूर में अफस्पा लागू करने की मांग

तिरुअनंतपुरम

राष्ट्रीय सेवक संघ के कार्यकर्ता की हत्या के बाद कन्नूर का माहौल फिर से गरमा गया है। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल पी. सतशिवम से मुलाकात कर जिले में अफस्पा (आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल पावर एक्ट) लगाने की मांग की हैं, वहीं मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा की मांग को खारिज कर दिया है। विजयन ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार से उचित कार्रवाई करने को कहा है।

कन्नूर के पयन्नूर में शुक्रवार को संघ कार्यकर्ता चूराकड़ बीजू की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के पीछे केरल में सत्तारूढ़ वाम मोर्चा के प्रमुख घटक दल माकपा के कार्यकर्ताओं के शामिल होने की बात कही जा रही है। इसी सिलसिले में भाजपा विधायक ओ. राजगोपाल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्यपाल पी. सतशिवम से मुलाकात की। राजगोपाल ने कहा, केरल पुलिस माकपा से जुड़ी संस्था हो गई है। लिहाजा, पुलिस लोगों के जीवन और संपत्ति को सुरक्षित रखने में पूरी तरह असफल है। पुलिस हमेशा माकपा नेताओं के संपर्क में रहती है जहां से उन्हें निर्देश मिलते हैं। ऐसे में अफस्पा लगाकर ही कन्नूर में शांति लाई जा सकती है। अच्छी बात यह है कि कन्नूर में सैन्य शिविर भी है। भाजपा नेताओं ने सौंपे गए ज्ञापन में दावा किया है कि वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से अब तक संघ कार्यकर्ताओं पर तकरीबन 500 हमले हो चुके हैं, जिनमें 14 को अपनी जान गंवानी पड़ी है। बीजू हत्याकांड में पुलिस ने सात संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि घटना को इनोवा कार सवार चार लोगों के गिरोह ने अंजाम दिया है। बीजू शुक्रवार को बाइक से अपने एक मित्र के साथ कहीं जा रहे थे, जब इनोवा कार से पहले उन्हें टक्कर मारी गई और गिरने के बाद गला रेतकर हत्या कर दी गई।

कांग्रेस खेमे में राष्ट्रपति उम्मीदवारी पर मंथन

नई दिल्ली

कांग्रेस जहां एक ओर इस बात को लेकर निश्चिंत है कि एकजुट विपक्ष राजग उम्मीदवार के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार सामने रखकर राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए प्रतिबद्ध है तो वहीं दूसरी ओर कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष को एक साथ लाने के लिए प्रयास को अस्तित्व बचाने की लड़ाई करार दिया।

कांग्रेस ने साफ किया कि एकजुट विपक्ष राजग उम्मीदवार के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार सामने रखकर राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रयास के लिए सारी ऊर्जा मिलकर काम कर रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि इस संबंध में बिना किसी भय, पक्षपात या अहम के विचार-विमर्श चल रहा है।

इस मुद्दे पर पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, विपक्ष का व्यापक फलक राष्ट्रपति चुनाव में जोरदार जवाब देने और सरकारी राजग उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव जीतने के लिए सबसे विश्वसनीय और जीतने वाला चेहरा उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि बिना किसी डर या पक्षपात या बंधन या अहम के इस दिशा में हर मुमकिन कोशिश हो रही है और व्यापक विपक्ष का सभी सहयोग सकारात्मक रूप से इस प्रयास और परिणाम के लिए मिल रहा है। प्रणब मुखर्जी की जगह लेने के लिए जुलाई में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर संभावित नामों का खुलासा किये बिना उन्होंने कहा, हम स्पष्ट कर दें, हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।

अस्तित्व बचाने के लिए एक साथ आ रहा है विपक्ष - विजयवर्गीय

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष को एक साथ लाने के लिए प्रयास को अस्तित्व बचाने की लड़ाई करार दिया। बहरहाल नेता ने दावा किया कि कई विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले राजग के उम्मीदवार का समर्थन करेंगी। विजयवर्गीय ने कहा, कांग्रेस, माकपा और अन्य राजनीतिक दल विभिन्न चुनावों में लगातार हार का सामना करने के बाद भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गुट बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे दांव पर लगे अपने अस्तित्व को बचाने के लिए एक साथ आए हैं।